No. of Printed Pages : 10

MRDE–003

MASTER OF ARTS

(RURAL DEVELOPMENT)

(MARD)

Term-End Examination

December, 2025

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. 1 and 2 should not exceed* ***800*** *words each.*

---

1. Discuss the impact of agrarian movements on agrarian structure and society. 20

Or

Describe in detail the objectives, working and philosophy of Bhoodan and Gramdan Movements.

2. Highlight the efforts taken for improving the agrarian structure. 20

Or

Elaborate on the land reforms in Sri Lanka.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **400** words each :

   (a) Discuss the *four* main types of interventions in land reform. 10

(b) Write on the impact of British rule in the eastern and western parts of India. 10

(c) In context of land reforms, delineate the strategies adopted by the government towards removal of exploitative system. 10

4. Attempt any ***four*** of the following questions in about **200** words each :

(a) Briefly explain the impact of colonialism on land tenure system in India. 5

(b) Mention major land tenure systems in South India during pre-colonial period. 5

(c) Write on those significant Acts which have guided land reforms in Uttar Pradesh. 5

(d) State the concept of land revenue. 5

(e) Taxation in Mughal period. 5

(f) What are the causes of poor performance of agriculture in India ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Major contributions of land reforms 4

(b) Land reforms in independent India 4

(c) Zamindari 4

(d) Jagirdari system 4

(e) Computerisation of land records 4

(f) Impact of land ceiling and distribution of surplus land 4

(g) Rural economic inequality 4

(h) Relationship between Panchayati Raj and Land Reforms 4

MRDE–003

एम. ए. (ग्राम विकास)

(एम.ए.आर.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्रामीण विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **800** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।*

---

1. कृषि संरचना और समाज पर कृषि आन्दोलनों के प्रभाव पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भूदान और ग्रामदान आन्दोलनों के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और दर्शन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. कृषि संरचना में सुधार के लिए किए प्रयासों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

श्रीलंका में भूमि सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भूमि सुधारों में हस्तक्षेप के **चार** मुख्य प्रकारों पर चर्चा कीजिए। 10

(ख) भारत के पूर्वी और पश्चिमी भागों में ब्रिटिश शासन के प्रभाव पर लिखिए। 10

(ग) भूमि सुधारों के सन्दर्भ में, शोषणकारी व्यवस्था को हटाने की दिशा में सरकार द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भारत में भू-स्वामित्व प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

(ख) पूर्व-औपनिवेशिक काल के दौरान दक्षिण भारत में प्रमुख भूमि पट्टा प्रणाली का उल्लेख कीजिए। 5

(ग) उन महत्वपूर्ण अधिनियमों पर लिखिये, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में भूमि सुधारों को निर्देशित किया है। 5

(घ) भू–राजस्व की अवधारणा को बताइये। 5

(ङ) मुगल काल में कर व्यवस्था। 5

(च) भारत में कृषि के खराब प्रदर्शन के क्या कारण हैं ? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

(क) भूमि सुधारों का प्रमुख योगदान 4

(ख) स्वतंत्र भारत में भूमि सुधार 4

(ग) जमींदारी 4

(घ) जागीरदारी व्यवस्था 4

(ङ) भूमि अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण 4

(च) भूमि सीमा निर्धारण और अधिशेष भूमि के वितरण का प्रभाव 4

(छ) ग्रामीण आर्थिक असमानता 4

(ज) पंचायती राज और भूमि सुधार के बीच संबंध 4

× × × × ×